Seat No. _____

HQ-19070201021800
B. R. S. (Sem.-II)
(CBCS) Examination
April - 2023
Hindi : Core-204
(आँचलिक उपन्यास) (New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours / Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए।

1 भैरवप्रसाद गुप्त के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए। **15**

अथवा

1 आँचलिक उपन्यास के उद्‌भव–विकास की विस्तृत चर्चा कीजिए।

2 'गंगामैया' उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। **15**

अथवा

2 उपन्यास कला के तत्त्वों के आधार पर 'गंगामैया' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

3 निम्नांकित में से किन्हीं तीन की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: **15**

(1) ''क्या करें, बिलरा, भाग्य के आगे किसका बस चलता है ? विधाता ने सेनुर मिटा दिया, करम फोड़ दिया, तो अब इस तरह रो–धोकर ही तो जिन्दगी काटनी है। तू दुःख काहे को करता है ? करम का साथी कौन होता है ?''

(2) ''गंगामैया तेरा सुहाग अमर रखें, मेरी हीरामन!''

(3) ''दुनिया के बाग में पतझड़ आता है, फिर बसंत आता है। क्या भाभी के जीवन में एक बार पतझड़ आकर सदा बना रहेगा ? क्या फिर उसमें कभी बसंत न आएगा ?''

(4) ''भाभी अब पहले की भाभी नहीं रह गयी – न वह रुप, न वह जवानी, न वह देह। अब तो वह जैसे पहले की भाभी की एक चलती–फिरती छाया रह गई थी।''

(5) ''नहीं, साहब नहीं ! यह ऐसी–वैसी कोई वारदात होती तो कोई बात न थी। मगर यह संगीन मामला है ! आखिर मुझे भी तो किसी के सामने जवाबदेह होना पड़ता है।''

4 दारोगा के चरित्र के माध्यम से लेखक ने पुलिस तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार का वास्तविक चित्रांकन किया है – तर्कसंगत उत्तर दीजिए। **15**

अथवा

4 गोपी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

5 'गंगामैया' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

5 'गंगामैया' उपन्यास के आधार पर मटरूसिंह की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।